

मैया जी मेरी बेटी चली ससुराल

मैया जी मेरी बेटी चली ससुराल,
रखना उसका खयाल

हमने दिल के जिस टुकड़े को बाहों का झूला झुलाया माँ
आज यह समझा आज यह जाना वो तो धन है पराया माँ
पलकों के नीचे रखा छुपा कर, पूरा अठारह साल,
मैया जी मेरी बेटी चली ससुराल

नाजों पाली जिस लाइली की हमने हर ज़िद की है पूरी माँ
उसी को घर में रख नहीं सकते, हाय कितनी मजबूरी माँ
उसे बिछड़ते देख के अपना हाल हुआ बेहाल,
मैया जी मेरी बेटी चली ससुराल

अपनी दया और अपनी दुआ का आँचल उसीको दे देना
मेरी पूजा, मेरे जप टप का फल उसको दे देना
आप की पुतली का कभी जग में बांकी हुए ना बाल
मैया जी मेरी बेटी चली ससुराल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/733/title/maiya-ji-meri-beti-chali-sasuraam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |